शिकंजा कसेगा 'क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर'

साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए संवादात्मक सत्र का हुआ आयोजन

एसपी पश्चिम
डा. बीपी अशोक

● अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। साइबर क्राइम पर शिकंजा कसने के लिए शनिवार को पुलिस लाइन के मनोरंजन कक्ष में पुलिस अधिकारियों और साइबर कैफे संचालकों के संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें आईडिएक्ट्स इनोवेशन साइबर कैफे सल्युशन कंपनी ने शुल्क रहित साइबर कैफे सुरक्षा समाधान के लिए क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर को उपयोगी बताया।

डीआईजी/एसएसपी प्रेमप्रकाश की तरफ से कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक गुरविंदर सिंह ने कहा कि साइबर क्राइम को नियंत्रित करने का क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर अनोखा मैकेनिज्म है। आतंकी गतिविधियों और अन्य गलत कार्यों के लिए साइबर कैफे एक सामान्य लक्ष्य होते हैं। इन्हें व्यवस्थित और सुरक्षित करना जरूरी है। अभी तक साइबर कैफे संचालकों द्वारा ग्राहकों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज करने की व्यवस्था है। इसमें तमाम दिक्कतें हैं। क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर द्वारा सरल, सुरक्षित और निर्बाध व्यवसाय व राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकेगा। भारत में इंटरनेट तक की 47 प्रतिशत पहुंच साइबर कैफे के सहयोग से होती है। साइबर क्राइम के लिए यह एक मुख्य स्थान के रूप में उभर रहे हैं।

क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर के साथ आईडिएक्ट्रस अपने साझेदारों को एक साधारण साफ्टवेयर के साथ कैफे में आने वालों के रिकार्ड लंबे समय तक रखने में सहायता करता है और उनके कैफे व एकाउंटिंग का प्रबंध करता है। जरूरत पड़ने पर लॉ इन्फोर्समेंट एजेंसी को ज्यादा सूचनाएं दे सकते हैं। सारी सुविधाओं का कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है।

क्लिंक साइबर कैफे मैनेजर के साथ कैफे आने वालों से किसी भी टर्मिनल या इंटरनेट में प्रवेश के लिए पंजीकरण का अनुरोध किया जाएगा। इस एप्लीकेशन के लिए कैफे आने वालों को पूरे भारत के लिए एक लॉगइन आईडी दी जाएगी। सभी सूचनाएं व डाटा बैकअप क्लिंक के सर्वर पर होगा। इसमें फोटो, फोटो आईडी, पता, संपर्क नंबर, ई-रजिस्टर का स्टोरेज शामिल होगा।

सिर्फ खानापूर्ति हो सकी सेमिनार की

जिले की कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस अफसरों की व्यस्तता के चलते सेमिनार दो घंटे लेट शुरू हुआ। साइबर कैफे संचालकों को दोपहर एक बजे का समय दिया गया था। ठंड के कारण देरी से पहुंचे साइबर कैफे संचालक दो बजे तक इंतजार करते रहे। आयोजक कंपनी के क्षेत्रीय मैनेजर भी पुलिस अफसरों को फोन मिलाते रहे। उनकी तरफ से तैयार भाषण की प्रति लोगों को बांटी जा चुकी थी। दोपहर दो बजे के बाद एसपी पश्चिम डा. बीपी अशोक समेत दो अफसर पहुंचे और सेमिनार की खानापूर्ति हुई।